भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

23.07.2025 के

तारांकित प्रश्न सं. 41 का उत्तर

बिहार पैकेज के तहत रेल परियोजनाएं

***41. श्रीमती लवली आनंद:**
श्री गिरिधारी यादव:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) केन्द्र सरकार द्वारा बिहार पैकेज के अंतर्गत शामिल की गई रेल परियोजनाओं का ब्यौरा और उनकी वर्तमान स्थिति क्या है; और

(ख) भारतीय रेल द्वारा उक्त परियोजनाओं पर अब तक व्यय की गई धनराशि का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री
(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) और (ख): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

****

दिनांक 23.07.2025 को लोक सभा के तारांकित प्रश्न सं. 41 के भाग (क) और (ख) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क) और (ख): बिहार राज्य में रेल अवसंरचना परियोजनाएं भारतीय रेल के पूर्व मध्य रेलवे, पूर्वोत्तर सीमा रेलवे, पूर्व रेलवे और पूर्वोत्तर रेलवे जोनों के अंतर्गत आती हैं। रेल परियोजनाओं का क्षेत्रीय रेल-वार ब्यौरा भारतीय रेल की वेबसाइट पर सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कराया जाता है।

बिहार राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली अवसंरचना परियोजनाओं और संरक्षा कार्यों के लिए वार्षिक बजट आबंटन निम्नानुसार है:

अवधि	परिव्यय
2009-14	1132 करोड़ रु. प्रति वर्ष
2025-26	10,066 करोड़ रु. (लगभग 9 गुना)

वर्ष 2009-14 और 2014-2025 के दौरान बिहार राज्य में पूर्णत:/अंशत: पड़ने वाले नए रेलपथों की कमीशनिंग/बिछाने का ब्यौरा निम्नानुसार है:

अवधि	कमीशन किए गए गए रेलपथ	नए रेलपथ की औसत कमीशनिंग
2009-14	318 कि.मी.	63.6 कि.मी.
2014-25	1899 कि.मी.	172.6 कि.मी. (2.5 गुना से अधिक)

हाल ही में बिहार राज्य में पूर्णत:/अंशत: पड़ने वाली संपन्न की गई कुछ परियोजनाओं का विवरण निम्नानुसार है:

क्रम सं	परियोजना का नाम	लागत (करोड़ रु में)
1	मुंगेर पुल (19 कि.मी.)	2774
2	कोसी पुल (22 कि.मी.)	516
3	पटना पुल (40 कि.मी.)	3555

क्रम सं	परियोजना का नाम	लागत (करोड़ रु में)
4	हाजीपुर-बछवारा दोहरीकरण (72 कि.मी.)	930
5	किउल-गया दोहरीकरण (123 कि.मी.)	1200
6	कारोटा पटनेर-मंकथा - सतह त्रिभुज (8 कि.मी.)	129
7	रामपुरहाट-मंदारहिल नई लाइन और रामपुरहाट-मुरराय-तीसरी लाइन (160 कि.मी.)	1500
8	जयनगर-दरभंगा-नरकटियागंज और नरकटियागंज-भिखना टोरी आमान परिवर्तन (295 कि.मी.)	1193
9	सकरी-लौकाहा बाजार-निर्माली और सहारसा-फोर्ब्सगंज आमान परिवर्तन (206 कि.मी.)	2113
10	बख्तियारपुर फ्लाईओवर (4 कि.मी.)	402
11	कोसी नदी पर पुल सहित कटारेह-कुर्सेला पट्टी का दोहरीकरण (7 कि.मी.)	222
12	अररिया-गल्गलिया नई लाइन (111 कि.मी.)	4415
13	किउल-तिलैया रेल विद्युतीकरण (87 कि.मी.)	105
14	वाल्मीकिनगर-सुगौली-मुजफ्फरपुर और सुगौली-रक्सौल रेल विद्युतीकरण (240 कि.मी.)	351

उपरोक्त परियोजनाओं में गंगा और कोसी नदियों पर तीन महत्वपूर्ण पुल अर्थात् मुंगेर पुल, पटना पुल और कोसी पुल शामिल हैं। ये लंबे स्पैन वाले मेगा पुल हैं जिनके लिए उच्च प्रकृति की विशेषज्ञता की आवश्यकता होती है इसलिए इन पुलों के निर्माण की डिजाइन और कार्यप्रणाली की जांच के लिए आईआईटी और एनआईटी को शामिल किया गया।

हालांकि इन पुलों को 2014 से पूर्व मंजूरी दी गई थी, लेकिन इन पुलों के निर्माण में पर्याप्त प्रगति 2014 के बाद ही प्राप्त की जा सकी। बिहार में इन परियोजनाओं के शीघ्र पूरा होने के लिए उचित योजना, कुशल निष्पादन पद्धतियों को अपनाने और पर्याप्त धन की उपलब्धता सुनिश्चित की गई।

इसके अलावा, बिहार में पूर्णत:/अशंत: पड़ने वाली शुरू की गई मुख्य परियोजनाओं का विवरण निम्नानुसार हैं:

क्रम. सं.	परियोजना	लागत (करोड़ रु में)
1	सीतामढ़ी-शिवहर नई लाइन (28 कि.मी.)	567
2	सकरी-हसनपुर नई लाइन (76 कि.मी.)	735
3	खगड़िया-कुशेश्वरस्थान नई लाइन (42 किमी)	1511
4	नेऊरा - दनियावां - बिहारशरीफ - बारबिघा - शेखपुरा नई लाइन (166 कि.मी.)	2200
5	कोडरमा-तिलैया नई लाइन (65 कि.मी.)	1626
6	हाजीपुर-सगौली नई लाइन (151 कि.मी.)	2087
7	अररिया-सुपौल नई लाइन (96 कि.मी.)	1605
8	गंगा नदी पर पुल सहित विक्रमशिला-कटारिया नई लाइन (26 कि.मी.)	2090
9	पीरपैटी-जसीडीह नई लाइन (97 कि.मी.)	2140
10	सोनगर - पतरातू मल्टीट्रैक (291 कि.मी.)	5148
11	समस्तीपुर - दरभंगा दोहरीकरण (38 कि.मी.)	624
12	रामपुर डुमरा - ताल - राजेन्द्र पुल - अतिरिक्त पुल और दोहरीकरण (14 कि.मी.)	1677
13	सगौली-वाल्मिकीनगर दोहरीकरण (110 कि.मी.)	1280
14	मुजफ्फरपुर-सगौली दोहरीकरण (101 कि.मी.)	1465
15	बरौनी-बछवारा तीसरी और चौथी लाइन (32 कि.मी.)	124

रेल परियोजनाओं के सर्वेक्षण/स्वीकृति/निष्पादन क्षेत्रीय रेल-वार किए जाते हैं न कि राज्य-वार क्योंकि रेल परियोजनाएं राज्यों की सीमाओं के आर-पार फैली हो सकती हैं। रेल परियोजनाओं को लाभप्रदता, यातायात अनुमानों, अंतिम छोर संपर्कता, मिसिंग लिंक और वैकल्पिक मार्गों, संकुलित/संतृप्त लाइनों के संवर्धन, राज्य सरकारों, केन्द्रीय मंत्रालयों, संसद

सदस्यों, अन्य जनप्रतिनिधियों द्वारा उठाई गई मांगों, रेलवे की अपनी परिचालनिक आवश्यकताओं, सामाजिक-आर्थिक महत्व आदि के आधार पर स्वीकृत किया जाता है जो चालू परियोजनाओं के थ्रो-फॉरवर्ड और निधियों की समग्र उपलब्धता पर निर्भर करता है।

01.04.2025 की स्थिति के अनुसार, बिहार राज्य में पूर्णत:/अंशत: पड़ने वाली 86,107 करोड़ रु. लागत वाली 4,663 कि.मी. लंबाई की 52 रेल परियोजनाएं (31 नई लाइन, 01 आमान परिवर्तन और 20 दोहरीकरण) स्वीकृत की गई हैं, जिनमें से 1,014 कि.मी. लंबाई को कमीशन कर दिया गया है और मार्च 2025 तक 29,353 करोड़ रु. का व्यय किया गया है। इसका सार निम्नानुसार है :-

कोटि	स्वीकृत परियोजनाओं की सं.	कुल लंबाई नई लाइन/आमान परिवर्तन/दोहरीकरण (कि.मी. में)	मार्च, 2025 तक कमीशन की गई लंबाई (कि.मी. में)	मार्च, 2025 तक कुल व्यय (करोड़ रु. में)
नई लाइन	31	2691	516	16814
आमान परिवर्तन	1	69	52	544
दोहरीकरण/ मल्टीट्रैकिंग	20	1904	446	11995
कुल	52	4663	1014	29353

किसी रेल परियोजना का पूरा होना राज्य सरकार द्वारा त्वरित भूमि अधिग्रहण, वन विभाग के पदाधिकारियों द्वारा वानिकी स्वीकृतियां, लागत साझेदार वाली परियोजनाओं में राज्य सरकार द्वारा राज्य की हिस्सेदारी जमा करना, अतिलंघनकारी जनोपयोगी सेवाओं का स्थानांतरण, विभिन्न प्राधिकरणों से सांविधिक स्वीकृतियां, क्षेत्र की भूविज्ञानी और स्थलाकृतिक परिस्थितियां, परियोजना स्थल के क्षेत्र में कानून एवं व्यवस्था की स्थिति, जलवायु परिस्थितियों के कारण परियोजना स्थल विशेष के लिए वर्ष में कार्य करने के महीनों की संख्या आदि जैसे विभिन्न कारकों पर निर्भर करता है और ये सभी कारक परियोजनाओं के समापन समय को प्रभावित करते हैं। इन तंगियों के बावजूद इन परियोजनाओं की शीघ्रता से पूरा करने के लिए हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं।

इसके अलावा, बिहार में रेल संपर्कता में सुधार लाने के लिए निम्नलिखित महत्वपूर्ण खंडों के लिए सर्वेक्षण किए गए हैं :-

क्रम सं	परियोजना	लंबाई (कि.मी.)
1	दीन दयाल उपाध्याय-कियूल तीसरी और चौथी लाइन	390
2	छपरा-कटिहार तीसरी और चौथी लाइन	450
3	नवादा-पावापुरी नई लाइन	33
4	बिहटा - औरंगाबाद नई लाइन	120
5	भागलपुर-जमालपुर तीसरी लाइन	53
6	फतुहा-बख्तियारपुर तीसरी और चौथी लाइन	24
7	बख्तियारपुर-तिलैया दोहरीकरण	104
8	रामपुर-दुमका-भागलपुर दोहरीकरण	177

बिहार में आरओबी/आरयूबी:

गाड़ी परिचालन और सड़क उपयोगकर्ताओं की गतिशीलता और संरक्षा में सुधार लाने के लिए, चौकीदार वाले समपारों को भी चरणबद्ध रूप से समाप्त कर दिया जाता है। भारतीय रेल पर समपार के स्थान पर ऊपरी सड़क पुल/निचले सड़क पुल के कार्यों को मंजूरी देना और निष्पादित करना निरंतर और सतत् प्रक्रिया है। ऐसे कार्यों को प्राथमिकता दी जाती है और इन्हें गाड़ी परिचालन में संरक्षा और गतिशीलता तथा सड़क उपयोगकर्ताओं पर इसके प्रभाव के आधार पर शुरू किया जाता है।

वर्ष 2014-25 की अवधि के दौरान, बिहार में 558 ऊपरी सड़क पुल/निचले सड़क पुल बनाए जा चुके हैं। इसके अलावा, बिहार राज्य में 6,014 करोड़ रुपए की लागत से 218 ऊपरी सड़क पुल/निचले सड़क पुल स्वीकृत किए गए हैं, जो योजना और निष्पादन के विभिन्न चरणों में है।

बिहार में स्टेशनों का पुनर्विकास:

रेल मंत्रालय ने अमृत भारत स्टेशन योजना शुरू की है। इसमें दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ निरंतर आधार पर स्टेशनों के विकास की परिकल्पना की गई है। इसमें प्रत्येक रेलवे स्टेशन की आवश्यकता को देखते हुए स्टेशनों पर सुविधाओं जैसे स्टेशन तक पहुंच, परिचलन क्षेत्रों, प्रतीक्षालयों, शौचालयों, आवश्यकतानुसार लिफ्टों/स्वचालित सीढ़ियों, प्लेटफॉर्म की सतह और प्लेटफॉर्म के ऊपर कवर, स्वच्छता, नि:शुल्क वाई-फाई, 'एक स्टेशन एक उत्पाद' जैसी योजनाओं द्वारा स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क, बेहतर यात्री सूचना प्रणाली, एक्जीक्यूटिव लाउंज, व्यावसायिक बैठकों के लिए निर्दिष्ट स्थान, लैंडस्केपिंग आदि में सुधार लाने के लिए मास्टर प्लान तैयार करना और उनका चरणबद्ध कार्यान्वयन करना शामिल हैं।

इस योजना में आवश्यकता, चरणबद्ध रूप से एवं व्यवहार्यता के अनुसार स्टेशन भवन में सुधार, स्टेशन का शहर के दोनों छोरों के साथ एकीकरण, मल्टी-मोडाल एकीकरण, दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएं, दीर्घकालिक और पर्यावरण अनुकूल समाधान, गिट्टी रहित पटरियों की व्यवस्था आदि और दीर्घावधि में स्टेशन पर सिटी सेन्टर बनाने की भी परिकल्पना की गई है।

अब तक, इस योजना के अंतर्गत 1337 स्टेशनों को चिह्नित किया गया है, जिनमें से 98 स्टेशन बिहार राज्य में स्थित हैं। बिहार राज्य में अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत विकास के लिए चिह्नित स्टेशनों के नाम इस प्रकार हैं:

राज्य	अमृत स्टेशनों की संख्या	अमृत स्टेशनों के नाम
बिहार	98	अनुग्रह नारायण रोड, आरा, अररिया कोर्ट, बख्तियारपुर, बांका, बनमनखी, बापूधाम मोतिहारी, बरहिया, बरौनी, बाढ़, बरसोई जंक्शन, बेगुसराय, बेतिया, भभुआ रोड, भागलपुर, भगवानपुर, बिहार शरीफ, बिहिया, बिक्रमगंज, बक्सर, चकिया, चौसा, छपरा, डलसिंह सराय, दरभंगा, दौरम मधेपुरा, देहरी ऑन सोन, धोली, दिघवारा, डुमरांव, दुर्गौती, एकमा, फतुहा, गया, घोड़ासहन, गुरारू, हाजीपुर जंक्शन, जमालपुर जं, जमुई, जनकपुर रोड, जयनगर, जहानाबाद, झांझरपुर,

		कहलगांव, करहगोला रोड, कटिहार, खगड़िया जंक्शन, किशनगंज, कुदरा, लाभा, लहेरिया सराय, लखीसराय, लखमीनिया, मधुबनी, महेशखूंट, मैरवा, मानसी जंक्शन, मशरख, मोकामा, मोतीपुर, मुंगेर, मुजफ्फरपुर, नबीनगर रोड, नरकटियागंज, नौगछिया, नवादा, पहाड़पुर, पाटलिपुत्र, पटना, पीरो, पीरपैंती, रफीगंज, रघुनाथपुर, राजेंद्र नगर टर्मिनल (पटना), राजगीर, राम दयालु नगर, रक्सौल, सबौर, सगौली, सहरसा, साहेबपुर कमाल, सकरी, सलौना, सालमारी, समस्तीपुर, सासाराम, शाहपुर पटोरी, शिवनारायणपुर, सिमरी बख्तियारपुर, सिमुलतला, सीतामढी, सीवान, सोनपुर जंक्शन, सुल्तानगंज, सुपौल, तारेगना, ठाकुरगंज, थावे

बिहार राज्य में अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत रेलवे स्टेशनों पर विकास कार्य अच्छी गति से शुरू किए गए हैं। अब तक बिहार राज्य में पीरपैंती और थावे रेलवे स्टेशनों पर पहले चरण का कार्य पूरा हो चुका है और उपरोक्त कुछ स्टेशनों की प्रगति इस प्रकार है:-

- सहरसा स्टेशन पर नया प्रतीक्षालय और शौचालय ब्लॉक सहित नए स्टेशन भवन के संरचनात्मक कार्य, पार्किंग क्षेत्र में सुधार, परिचलन क्षेत्र का विकास, प्रवेश द्वार, परिचलन क्षेत्र में चाहरदीवारी का निर्माण कार्य पूरा हो गया है और नए 12 मीटर चौड़े ऊपरी पैदल पुल का निर्माण कार्य, नए प्लेटफॉर्म शेल्टर का निर्माण शुरू कर दिया गया है।

- सालौना स्टेशन पर नए स्टेशन भवन के संरचनात्मक कार्य, नए पार्किंग क्षेत्र का विकास, प्लेटफार्म संख्या 2 पर प्लेटफार्म की सतह में सुधार कार्य पूरा हो गया है और नए 12 मीटर ऊपरी पैदल पुल का निर्माण कार्य, परिचलन क्षेत्र में सुधार, प्लेटफार्म संख्या 1 की सतह की ऊचांई बढ़ाना, नए प्लेटफार्म शेल्टर का कार्य शुरू कर दिया गया है।

- लक्कीसराय स्टेशन पर नए स्टेशन भवन और नए शौचालय ब्लॉक का संरचनात्मक कार्य पूरा हो गया है। नए स्टेशन भवन और शौचालय ब्लॉक की ईंट की चिनाई और प्लास्तर का कार्य, परिचलन क्षेत्र के विकास का कार्य, जल निकासी कार्य, पोर्च की स्थापना का काम शुरू किया गया है।

- **गया स्टेशन पर मुख्य और द्वितीय प्रवेश द्वार (पश्चिम की ओर) पर भवन, मुख्य प्रवेश द्वार (पूर्व की ओर) प्रस्थान भवन, तीर्थ यात्रियों के लिए नया भवन और भूमिगत टैंक का संरचनात्मक कार्य पूरा हो गया है। दोपहिया वाहनों के लिए बहुस्तरीय पार्किंग की दो नई मंजिलों को चालू किया गया है और साथ ही दो अतिरिक्त मंजिलों पर कार्य शुरू किया गया है। एयर कॉनकोर्स के निर्माण, स्टेशन भवनों के परिष्कृत कार्य, नए प्लेटफार्म शेल्टर, परिचलन क्षेत्र विकास आदि का कार्य शुरू किया गया है।**

- **मुजफ्फरपुर स्टेशन पर नए संयुक्त टर्मिनल भवन का संरचनात्मक कार्य पूरा हो गया है और नया टिकट बुकिंग कार्यालय चालू किया गया है। दूसरे प्रवेश द्वार के आगमन और प्रस्थान ब्लॉक भवन और सेवा भवनों के संरचनात्मक कार्य पूरे हो चुके हैं। मुख्य प्रवेश स्टेशन भवन के निर्माण कार्य, दूसरे प्रवेश द्वार के साइड स्टेशन भवनों के निर्माण कार्य, पैदल पार पुल का निर्माण, परिचलन क्षेत्र का विकास, उत्थापित सड़क का कार्य शुरू किया गया है।**

वंदे भारत/अमृत भारत/नमो भारत रेलगाड़ी:

भारतीय रेल नेटवर्क पर वर्तमान में परिचालित 144 वंदे भारत रेलगाड़ी सेवाओं में से निम्नलिखित 20 वंदे भारत रेलगाड़ी सेवाएं (आरंभिक/अंतिम आधार पर) बिहार राज्य में स्थित विभिन्न स्टेशनों की आवश्यकताओं को सेवित कर रही हैं:

1. **20983/84 टाटानगर-पटना वंदे भारत एक्सप्रेस**
2. **21893/94 टाटानगर-पटना वंदे भारत एक्सप्रेस**
3. **21895/96 टाटानगर-पटना वंदे भारत एक्सप्रेस**
4. **22233/34 न्यू जलपाईगुड़ी-पटना वंदे भारत एक्सप्रेस**
5. **22303/04 हावड़ा-गया वंदे भारत एक्सप्रेस**
6. **22309/10 हावड़ा-भागलपुर वंदे भारत एक्सप्रेस**
7. **22345/46 पटना-गोमतीनगर वंदे भारत एक्सप्रेस**
8. **22347/48 हावड़ा-पटना वंदे भारत एक्सप्रेस**
9. **22349/50 पटना-रांची वंदे भारत एक्सप्रेस**
10. **26501/02 पाटलिपुत्र-गोरखपुर वंदे भारत एक्सप्रेस**

इस प्रकार, भारतीय रेल पर परिचालित 14 अमृत भारत एक्सप्रेस सेवाओं में से 10 अमृत भारत एक्सप्रेस सेवाएं (आरंभिक/अंतिम आधार पर) बिहार राज्य में स्थित विभिन्न स्टेशनों की आवश्यकताओं को सेवित कर रही हैं:

1. **15557/58 दरभंगा-आनंद विहार (टी) अमृत भारत एक्सप्रेस**
2. **1101516 सहरसा-लोकमान्य तिलक (टी) अमृत भारत एक्सप्रेस**
3. **15567/68 बापूधाम मोतिहारी-आनंद विहार (टी) अमृत भारत एक्सप्रेस [18 जुलाई, 2025 से चालू की गई]**
4. **15561/62 दरभंगा-गोमतीनगर अमृत भारत एक्सप्रेस [18 जुलाई, 2025 से चालू]**
5. **22361/62 राजेंद्र नगर-नई दिल्ली अमृत भारत एक्सप्रेस [18 जुलाई, 2025 से चालू की गई]**

वर्तमान में, भारतीय रेल द्वारा 04 नमो भारत रैपिड रेल सेवाएं परिचालित की जा रही हैं, जिनमें से 02 नमो भारत रैपिड रेल अर्थात् 94803/04 जयनगर-पटना नमो भारत रैपिड रेल बिहार राज्य में स्थित स्टेशनों को सेवित कर रही हैं।

*****